मई, 2011
MAY, 2011

S-06

बीमा सर्वेक्षकों के लिए परीक्षा
मोटर बीमा
EXAMINATION FOR INSURANCE SURVEYORS
MOTOR INSURANCE

समय : 3 घंटे] [कुल अंक : 100
Time: 3 Hours] [Total Marks : 100

किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए। दसवॉ प्रश्न के 16 अंक हैं किन्तु यह अनिवार्य नहीं है। अन्य सभी प्रत्येक प्रश्न 12 अंक के हैं।

Answer **EIGHT** questions only. Question number **TEN** carries 16 marks but this is not compulsory. All other questions carry 12 marks each.

Marks

1. निम्नलिखित में से **किन्हीं तीन** का जवाब दीजिए : (प्रत्येक के 4 अंक)
   - अ) तृतीय पक्ष दावों में बीमाधारक की मृत्यू का क्या प्रभाव पड़ता है?
   - ब) मोटर वाहन अधिनियम के खण्ड 163 (ब) के उपबंध बताए ।
   - क) मोटर बीमा में अंशदान कैसे उत्पन्न होता है?
   - ड) व्यापार प्रमाणपत्र क्या है?

1. Answer **any three** of the following:- 4 each
   - a) What is the effect of the death of the Insured person in the event of a Third Party Claim?
   - b) Write about provisions of Section 163 (b) of Motor Vehicle Act.
   - c) Explain, how subrogation arises in motor insurance?
   - d) What are trade certificates?

2. **किन्हीं तीन** पर संक्षिप्त में लिखिए :- (प्रत्येक के 4 अंक)
   - अ) दावों के उत्पाद आँकड़े
   - ब) मोटर तृतीय पक्ष पूल में जी आय सी की भूमिका
   - क) मोटर तृतीय पक्ष दावों में लापरवाही का महत्व
   - ड) मोटर बीमा पॉलिसीयों के अंतर्गत बीमाहीत

2. Write in brief on **any three**:- 4 each
   - a) Claims output data.
   - b) Role of GIC in Motor Third Party Pool.
   - c) Importance of negligence in motor Third Party Claims.
   - d) Insurable Interest under Motor insurance policies.

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं तीन** के बीच का अंतर स्पष्ट कीजिए : (प्रत्येक के 4 अंक)
   अ) कैशलेस (रोकड़ बीना) निपटान तथा कैशलॉस (रोकड़ हानि) निपटान
   ब) वाहन का हस्तांतरण तथा वाहन का बदलाव
   क) किराया खरीद तथा बंधक रखाव करार
   ड) पंजीकरण प्रमाणपत्र तथा बीमा प्रमाणपत्र

3. Differentiate between **any three** of the following :- 4 each
   a) Cashless settlement and cash loss settlement
   b) Transfer of vehicle and change of Vehicle
   c) Hire Purchase and Hypothecation Agreement
   d) Certificate of Registration and Certificate of Insurance.

4. **किन्हीं दो** का जवाब कीजिए : (प्रत्येक के 6 अंक)
   अ) "निर्णय के संतुष्टि में बीमाकर्ता के कर्तव्य" चर्चा करे ।
   ब) "संरक्षण तथा हटाना क्लॉज़" बताए
   क) सोलेशियम फंड़ - उसकी रचना तथा दावे के समय पालन करने की प्रक्रिया।

4. Answer **any two**:- 6 each
   a) Examine 'Duty of insurers to satisfy judgment.'
   b) Explain 'Protection & Removal Clause.'
   c) Solatium Fund - It's composition and procedure to be followed in an event of a claim.

5. **किन्हीं दो** का जवाब दीजिए : (प्रत्येक के 6 अंक)
   अ) कैश लॉस निपटान क्या है? इस निपटान की अनुकूलता पर अपनी राय दीजिए।
   ब) मोटर बीमांकन में 'वाहन के उपयोग' का महत्व बताए ।
   क) मोटर व्यापार पॉलिसी 'बी' के मानक प्रपत्र के अंतर्गत आवरणों की चर्चा कीजिए ।

5. Answer **any two**:- 6 each
   a) What is Cash Loss settlement? Give your opinion on desirability of such settlements.
   b) Highlight importance of "Use of Vehicle" in Motor underwriting.
   c) Critically examine scope of cover under standard form of Motor Trade Policy - B

6. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** का जवाब दीजिए : (प्रत्येक के 6 अंक)

अ) तृतीय पक्ष दावों में सामान्य धोखाधड़ी के बारे में व्यवस्थापन के मार्गदर्शी सिद्धांत बताए ।

ब) आई. डी. व्ही. स्पष्ट करे तथा किस हद तक वह मोटर दावों के निपटान में उपयुक्त है उसकी चर्चा करें ।

क) मोटर वाहन अधिनियम 1988 के अंतर्गत मोटर दुर्घटना पीडीतों के संबंध में "बीमा दोष दायित्व" उपबंध की आवश्यकता विश्लेषण करें।

6. Answer **any two** of the following : 6 each

a) Formulate guidelines for the management of Common Frauds in TP Claims.

b) Explain IDV and discuss as to what extent it is useful in settlement of Motor Claims.

c) Analyse the need for providing for "Liability without Fault" to Motor Accident victims in relation to the provisions of Motor Vehicles Act 1988.

7. वाणिज्यिक वाहनों के टी एल, सी टी एल तथा आंशिक हानि दावों का स्वरूप उदाहरणसहीत विस्तृत में स्पष्ट करें । 12

7. Give in detail nature of TL, CTL and Partial Loss claims for commercial vehicles with examples. 12

8. कौन ज्यो तृतीय पक्ष दावें कर सकते हैं? किस तरह से वाहक तथा दावेदार की लापरवाही सुसंगत है तथा लापरवाही के विरूद्ध में कौनसे बचाव उपलब्ध है ? 12

8. Who all can make Third Party Claims? In what way Negligence of Driver and Claimant is relevant and what are the defences available against Negligence? 12

9. क्या मोटर तृतीय पक्ष पूल ने अपना आशय तथा उद्देश्य पूरा किया है? संक्षिप्त में उसकी प्रक्रिया बताकर मूल्यांकन करें । 12

9. Is the Motor Third Party Pool has achieved its intent and purpose? Briefly State the procedure and evaluate. 12

10. एक निजी कार (वाहन) अप्रैल 2007 में पंजीकृत तथा 3.5 लाख पर बीमीत हुई बैलगाडी के विरूद्ध आगे जाने की कोशीश में 15.08.2010 को दुर्घटनाग्रस्त होकर क्षतिग्रस्त हुई । निम्नलिखित क्षति/हानि पाई गई 16

		रू.
i)	बाये बाजूवाले टायर को क्षति (सकल हानि)	4,000
ii)	विंडशिल्ड काचका टूटना	4,000
iii)	हेडलाईट की लागत	3,000
iv)	रेडिएटर की लागत	7,000
v)	बंपर (प्लास्टिक) की लागत	4,000
vi)	मेटल पार्ट्स (कूलपूर्जे)	9,000
vii)	मजदूरी खर्च	15,000
viii)	पेन्टिंग (क्षतिग्रस्त भाग)	4,000
ix)	बैल गाड़ी के मालिक द्वारा गाड़ी की क्षति तथा एक बैल को हुए चोट का दावा	30,000
x)	टोवींग खर्च	3,000
xi)	साल्वेज	3,000
xii)	आधिक्य (अनिवार्य)	500
xiii)	स्वैच्छिक	शून्य

बीमा कंपनी के सकल देयता की गणना कीजिए ।

10. A Private car registered on April 2007, insured for Rs. 3.5 lacs met with an accident against a bullock cart, while overtaking on 15/08/2010 and was damaged. Following damages/loss noticed. 16

		Rs.
i)	Damage to left side tyre (Total Loss)	4,000
ii)	Wind shield glass broken	4,000
iii)	Cost of Head Lights	3,000
iv)	Cost of Radiator	7,000
v)	Cost of Bumper (Plastic)	4,000
vi)	Metal Parts	9,000
vii)	Labour Charges	15,000
viii)	Painting (Area Damaged)	4,000
ix)	Claim by Bullock Cart owner for Damages to Cart and injury to one bullock.	30,000
x)	Towing Charges	3,000
xi)	Salvage	3,000
xii)	Excess-Compulsory	500
xiii)	Voluntary	0

Calculate the Insurance Company's total liability.

----- समाप्त -----

----- THE END -----